ओमशान्ति मीडिया

नया साल
आपके जीवन में
सुख,शांति और समृद्धि लाए

वर्ष - 27 | जनवरी -2026 | अंक - 01 | माउंट आबू | Rs.- 20

शांत और स्थिर मन से ही विश्व शांति और विश्व एकता की नींव बनती - महामहिम राष्ट्रपति मुर्मू

- राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारी बहनों को कलश देकर और दीप प्रज्वलित कर किया वार्षिक थीम का राज्य स्तरीय शुभारंभ
- मेडिटेशन रूप में ध्यान में मग्न नज़र आईं राष्ट्रपति
- गुल्ज़ार उपवन राजयोग ट्रेनिंग सेंटर में राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण
- मुख्यमंत्री बोले - संस्थान सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रहा
- कार्यक्रम में शहर के 3000 से अधिक गणमान्य लोग मौजूद रहे

लखनऊ-सुल्तानपुर रोड(उ.प्र.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारी बहनों को एकता और विश्वास का दिव्य कलष देकर और दीप प्रज्वलित कर वार्षिक थीम का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। सुल्तानपुर रोड, गुलज़ार उपवन राजयोग ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान(योग) विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि दूसरे पर विश्वास करें लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहाँ मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। जब हम कुछ क्षण रूककर स्वयं से संवाद करते हैं तो इस बात का अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं बल्कि हमारे भीतर है। जब आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता जीवन का हिस्सा बन जाती है। शांत और स्थिर मन समाज में शांति का बीज बोता है और वहीं से विश्व शांति और विश्व एकता की नींव बनती है।

यह कदम सुंदर विश्व बनाने का संवाहक बनेगा- राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज़ की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व विद्यालय के गाँव-गाँव में शिक्षा केंद्र खुले हुए हैं। वहाँ के भाई-बहन एकता और विश्वास अभियान के द्वारा समाज में सुख-शांति, आनंद, प्रेम और विश्वास का संवाहक बनकर जन-जन तक पहुंचाते हैं।

भारत ने विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया - राष्ट्रपति महोदया ने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सैदव विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है अर्थात् सम्पूर्ण विश्व हमारा परिवार है। आज जब विश्व कई चुनौतियों का सामना कर रहा है तब यह विचार और अधिक प्रासांगिक बन गया है। मुझे विश्वास है कि इस महासंकट को दूर करने के लिए इस अभियान का प्रभावी योगदान रहेगा। मैं इस अभियान के शुभारंभ के लिए ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई देती हूँ।

हम स्वयं के भीतर बढ़ने की यात्रा का भी प्रारंभ करें - राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक समय में विज्ञान और तकनिकी क्रांतिकारी परिवर्तनों ने मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुलभ और संसाधन समृद्ध बनाया है। लेकिन समाज में तकनिकी उन्नति के साथ-साथ तनाव से असुरक्षा, अविश्वास और एकाकीपन बढ़ा है। आज आवश्यक है कि हम केवल भौतिक सुविधा में आगे बढ़ने के लिए ही नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर बढ़ने की यात्रा का भी प्रारंभ करें। इसका कदम ब्रह्माकुमारीज़ उठा रही है। ये सराहनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी है।

लोगों को देंगे आपसी एकता और विश्वास का संदेश - गुल्ज़ार उपवन राजयोग ट्रेनिंग सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. राधा दीदी ने कहा कि भारत जहाँ मथुरा में श्रीकृष्ण की कर्म भूमि और अयोध्या श्रीराम की चरित्र भूमि है। इस अभियान का उद्देश्य है, हम सभी एक परमात्मा की संतान आपस में भाई-बहन हैं। अभियान के तहत प्रदेश भर में गाँव-गाँव, शहर-शहर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनके माध्यम से लोगों को विश्व एकता और आपसी विश्वास का संदेश दिया जाएगा। संस्थान के न्याय विद प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र.कु. नथमल,ओडिशा ने भी अपने विचार रखे। कुशल संचालन राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी,प्रयागराज ने किया।

ये भी रहे मौजूद -
ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. डॉ. मृत्युंजय,माउंट आबू, ज्ञान सरोवर परिसर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रभा दीदी, अभियंता प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल, राजयोगी ब्र.कु. सूर्य, पीआरओ ब्र.कु. कोमल सहित लखनऊ शहर के 400 से अधिक बिज़नेसमैन, 100 से अधिक डॉक्टर, 300 से अधिक प्रशासनिक अधिकारी और ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े तीन हज़ार से अधिक लोग मौजूद रहे।

'एकता और विश्वास' अभियान का शुभारम्भ कलश देकर करते हुए महामहिम राष्ट्रपति मुर्मू। साथ हैं माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्थान सकारात्मक माहौल का कर रहा निर्माण - योगी आदित्यनाथ

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण उसका मन है। आज दुनिया में जो भी आतंकवाद उपद्रव हैं इसके पीछे मन की चंचल प्रवृत्तियां ही हैं। मन का एक सकारात्मक पक्ष है जो सकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर ले जाता है, वहीं एक नकारात्मक मन नकारात्मक प्रवृत्तियों की ओर ले जाता है। ब्रह्माकुमारी से जुड़े सभी आंगतुक राजयोग के माध्यम से सकारात्मक माहौल का निर्माण कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह केंद्र पूरे उत्तर प्रदेश के लिए, राजयोग प्रशिक्षण के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेगा।

राजयोग मानव चेतना को जागृत करता है- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था विभिन्न आयामों से राष्ट्र निर्माण की गतिविधियां निभा रही है। विश्व की यह विशाल संस्था नारी शक्ति द्वारा संचालित है। राजयोग मेडिटेशन वह साधन है जो व्यक्ति को सद्गुण की ओर अग्रसर करता है। राजयोग से सुख, शांति, पवित्रता जैसे गुण स्वतः आने लगते हैं। राजयोग एक अभ्यास नहीं बल्कि सम्पूर्ण सकारात्मक जीवनशैली है। मेडिटेशन हमें सृष्टि के चक्र का बोध कराता है। वर्तमान परिस्थितियां हमारे कर्मों का ही फल है। राजयोग अपने आप से मिलने की अनुभूति है। जो हमें स्वयं को सुनना और शांत होना सिखाता है। राजयोग मानव चेतना को जागृत करता है और समाज को संगठित करता है। आज यह सभी के लिए अनिवार्य है।

झलकियां...

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुल्ज़ार उपवन राजयोग ट्रेनिंग सेंटर परिसर में पौधारोपण किया।
- राष्ट्रपति ने कुछ समय के लिए मेडिटेशन रूप में परमात्मा शिव बाबा का ध्यान किया।
- उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ स्नेह मुलाकात कर फोटो सेशन में भाग लिया।
- रायपुर से आये चित्रकार, कलाकार हितेंद्र भाई ने सेमीनार हॉल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गुल्ज़ार दादी की आकर्षक रंगोली बनाई जिसे देखकर लोग स्तब्ध रह गए।
- मथुरा से आए कलाकारों ने सुंदर श्रीकृष्ण, राधा और गोपियों के वेश में नृत्य की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।